SET – 2

Series : BVM/1

कोड नं.
Code No. **2/1/2**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

PARIKSHA 2019

हिन्दी (केन्द्रिक)
HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 80*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 80*

सामान्य निर्देश :

*(i) इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं । प्रश्न-पत्र में **तीन** खंड हैं – **क, ख, ग** ।*

*(ii) सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*

(iii) विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर क्रमश: लिखें ।

खंड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

बीसवीं शताब्दी में भारत ने ब्रिटिश साम्राज्यवादी – उपनिवेशवादी व्यवस्था को अपने ऊपर से उतार फेंका । महात्मा गांधी की प्रेरणा से भारतीय जनता ने एक नए ढंग का संघर्ष कर अपनी स्वाधीनता प्राप्त की । गांधीजी ने राजनीतिक संघर्ष के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक व्यवस्था के विरुद्ध संघर्ष को भी स्वाधीनता संग्राम से जोड़ दिया । उनके लिए राजनैतिक और प्रशासनिक भेदभाव के खिलाफ लड़ना जितना महत्त्वपूर्ण था उतना ही महत्वपूर्ण था सामाजिक और धार्मिक ढाँचे के भीतर के भेदभाव के विरुद्ध खड़ा होना । अपनी 'आत्मकथा' में गांधीजी लिखते हैं – "ऐसे व्यापक सत्यनारायण के प्रत्यक्ष दर्शन के लिए प्राणीमात्र के प्रति आत्मवत (अपने समान) प्रेम की भारी जरूरत है । इस सत्य को पाने की इच्छा करने वाला मनुष्य जीवन के एक भी क्षेत्र से बाहर नहीं रह सकता । यही कारण है कि मेरी सत्य-पूजा मुझे राजनैतिक क्षेत्र में घसीट ले गई । जो कहते हैं कि राजनीति से धर्म का कोई सम्बन्ध नहीं है, मैं निस्संकोच होकर कहता हूँ कि ये धर्म को नहीं जानते और मेरा विश्वास है कि यह बात कह कर मैं किसी तरह विनय की सीमा को लाँघ नहीं रहा हूँ" । आज राजनीति को धर्म से अलग मानने वालों को गांधीजी की यह बात जरूर सुननी चाहिए । अपने इसी विश्वास के कारण गांधीजी ने सामाजिक और धार्मिक ढाँचे के भीतर समानता के संघर्ष को प्रमुखता से आगे बढ़ाया क्योंकि वे जानते थे कि केवल राजनीतिक मुक्ति से उनके सपनों का भारत नहीं बनेगा । उनका मानना था कि करोड़ों वंचितों की सामाजिक-आर्थिक मुक्ति ही स्वाधीन भारत की पहचान होनी चाहिए ।

(क) गद्यांश को पढ़कर उपयुक्त शीर्षक लिखिए । **1**

(ख) बीसवीं शताब्दी में भारत में क्या बड़ी घटना हुई ? **1**

(ग) महात्मा गांधी के लिए सामाजिक सुधारों के लिए संघर्ष क्यों महत्त्वपूर्ण था ? **2**

(घ) गांधीजी ने सत्यनारायण के दर्शन की पात्रता क्या मानी थी और क्यों ? **2**

(ङ) कौन लोग धर्म को नहीं जानते ? उनके प्रति गांधीजी ने ऐसी धारणा क्यों बनाई ? **2**

(च) गांधीजी के विचार से स्वाधीन भारत की पहचान क्या होनी चाहिए ? **2**

(छ) गद्यांश के आधार पर लिखिए कि स्वाधीनता की व्यापक पहचान क्या होनी चाहिए ? क्यों ? **2**

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **1 × 4 = 4**

जो नहीं हो सके पूर्ण-काम
मैं उनको करता हूँ प्रणाम !

कुछ कुंठित औ' कुछ लक्ष्य-भ्रष्ट
जिनके अभिमंत्रित तीर हुए
रण की समाप्ति के पहले ही
जो वीर रिक्त-तूणीर हुए
– उनको प्रणाम !

जो छोटी–सी नैया लेकर
उतरे करने को उदधि–पार
मन की मन में ही रही, स्वयं
हो गए उसी में निराकार
– उनको प्रणाम !

जो उच्च शिखर की ओर बढ़े
रह–रह नव–नव उत्साह भरे
पर कुछ ने ले ली हिम–समाधि
कुछ असफल ही नीचे उतरे
– उनको प्रणाम !

कृत–कृत्य नहीं जो हो पाए
प्रत्युत फांसी पर गए झूल
कुछ ही दिन बीते हैं, फिर भी
यह दुनिया जिनको गई भूल
– उनको प्रणाम !

(क) कवि असफल लोगों को ही क्यों प्रणाम कर रहा है ?
(ख) छोटी सी नौका से सागर पार करने की कोशिश करने वालों का क्या महत्त्व माना है ?
(ग) उच्च शिखर की ओर बढ़ते हुए हिम समाधि लेने का भावार्थ क्या है ?
(घ) समाज किन लोगों को भी भुला देता है ?

अथवा

क्या कुटिल व्यंग्य ! दीनता वेदना से अधीर, आशा से जिनका नाम रात–दिन जपती है,
दिल्ली के वे देवता रोज कहते जाते, 'कुछ और धरो धीरज, किस्मत अब छपती है ।'

किस्मतें रोज छप रहीं, मगर जलधार कहाँ ? प्यासी हरियाली सूख रही है खेतों में,
निर्धन का धन पी रहे लोभ के प्रेत छिपे, पानी विलीन होता जाता है रेतों में ।

हिल रहा देश कुत्सा के जिन आघातों से, वे नाद तुम्हें ही नहीं सुनाई पड़ते हैं ?
निर्माणों के प्रहरियो ! तुम्हें ही चोरों के काले चेहरे क्या नहीं दिखाई पड़ते हैं ?

तो होश करो, दिल्ली के देवो, होश करो, सब दिन तो यह मोहिनी न चलने वाली है,
होती जाती है गर्म दिशाओं की साँसें, मिट्टी फिर कोई आग उगलने वाली है ।

(क) गरीबों के प्रति कुटिल व्यंग्य क्या है ?
(ख) निर्धन की त्रासदी क्या है ?
(ग) शासक वर्ग को 'दिल्ली के देवता' क्यों कहा गया है ?
(घ) कवि क्या चेतावनी दे रहा है ?

खंड 'ख'

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर अनुच्छेद लिखिए : **5**

(क) लोकतंत्र में चुनावों का महत्त्व ।

(ख) विज्ञान के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियाँ ।

(ग) भारत की सांस्कृतिक विशेषताएँ ।

(घ) भारतीय समाज में नारी ।

4. किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखकर प्राकृतिक आपदाओं के दौरान आपदाग्रस्त क्षेत्रों में भारतीय सेना के जवानों द्वारा किये जाने वाले कार्यों का वर्णन करते हुए सेना की भूमिका रेखांकित कीजिए । **5**

अथवा

छात्र-परिषद् के अध्यक्ष के रूप में नगर निगम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को पत्र लिखकर विद्यालय के सामने अवस्थित पार्क की सफाई और देखभाल की ज़िम्मेदारी लेने का प्रस्ताव रखिए ।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर लिखिए : **1 × 4 = 4**

(क) पीत पत्रकारिता से क्या तात्पर्य है ?

(ख) मुद्रित माध्यम की भाषा की दो विशेषताएँ लिखिए ।

(ग) संपादक के दो प्रमुख दायित्वों का उल्लेख कीजिए ।

(घ) खोजी पत्रकारिता किसे कहा जाता है ?

(ङ) इंटरनेट की बढ़ती लोकप्रियता के दो कारण लिखिए ।

6. 'बदल रही है सरकारी विद्यालयों की छवि' विषय पर एक आलेख लिखिए । **3**

अथवा

हाल ही में पढ़ी गई किसी पाक-विधि की पुस्तक की समीक्षा लिखिए ।

7. 'विद्यालय स्वच्छता अभियान' विषय पर एक फीचर तैयार कीजिए । **3**

अथवा

आपकी बस्ती के निकट लगने वाले साप्ताहिक बाजार को विषय बनाकर एक फीचर तैयार कीजिए ।

खंड 'ग'

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **2 × 3 = 6**

प्रभु प्रलाप सुनि कान बिकल भए बानर निकर ।
आइ गयउ हनुमान जिमि करुना महँ बीर रस ।।
हरषि राम भेटेउ हनुमाना । अति कृतग्य प्रभु परम सुजाना ।।
तुरत बैद तब कीन्हि उपाई । उठि बैठे लछिमन हरषाई ।।
हृदयँ लाइ प्रभु भेंटेउ भ्राता । हरषे सकल भालु कपि ब्राता ।।
कपि पुनि बैद तहाँ पहुँचावा । जेहि बिधि तबहिं ताहि लइ आवा ।।

(क) हनुमान के आगमन को करुण रस के बीच वीर रस की उत्पत्ति क्यों कहा गया है ?

(ख) 'अति कृतज्ञ' कौन हुआ और क्यों ?

(ग) इन पंक्तियों में वर्णित भाइयों के प्रेम-भाव की आज के जीवन में प्रासंगिकता पर टिप्पणी कीजिए ।

अथवा

कविता एक खिलना है, फूलों के बहाने
कविता का खिलना भला फूल क्या जानें !
बाहर भीतर
इस घर उस घर
बिना मुरझाए महकने के माने
फूल क्या जानें ?
कविता एक खेल है बच्चों के बहाने
बाहर भीतर
यह घर, वह घर
सब घर एक कर देने के माने
बच्चा ही जाने ।

(क) भाव स्पष्ट कीजिए
सब घर एक कर देने के माने
बच्चा ही जाने ।

(ख) कविता को बच्चों के समानांतर क्यों रखा गया है ?

(ग) कविता के खिलने और फूलों के खिलने में क्या साम्य-वैषम्य है ?

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **2 + 2 = 4**

बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर से
कि जैसे घुल गई हो
स्लेट पर या लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी ने

(क) काव्यांश की अलंकार योजना पर प्रकाश डालिए ।

(ख) काव्यांश का भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

मैं निज रोदन में राग लिए फिरता हूँ,
शीतल वाणी में आग लिए फिरता हूँ,
हों जिस पर भूपों के प्रासाद निछावर
मैं वह खँडहर का भाग लिए फिरता हूँ ।

(क) काव्यांश के अलंकार सौन्दर्य का उद्‌घाटन कीजिए ।

(ख) काव्यांश का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए ।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **3 × 2 = 6**

(क) "आत्मपरिचय' में कवि एक ओर 'जग जीवन का भार लिए' फिरने की बात करता है और दूसरी ओर 'मैं कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ" – इन दो विपरीत कथनों का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(ख) 'पतंग' कविता के आधार पर सबसे तेज बौछारें चली जाने के बाद शरद के सौंदर्य का चित्रण अपने शब्दों में कीजिए ।

(ग) 'भाषा को सहूलियत से बरतने' से कुँवर नारायण का क्या तात्पर्य है ?

(घ) मुक्तिबोध सब कुछ सहर्ष स्वीकारते हैं किंतु यह भी कहते हैं, 'बहलाती सहलाती आत्मीयता बर्दाश्त नहीं होती है' ऐसा क्यों है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) "माँगि के खैबो, मसीत को सोइबो" – तुलसी के इस कथन के मर्म पर अपने विचार लिखिए ।

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **2 × 3 = 6**

एक-एक बार मुझे मालूम होता है कि यह शिरीष एक अद्‌भुत अवधूत है । दुख हो या सुख, वह हार नहीं मनाता । न ऊधो का लेना, न माधो का देना । जब धरती और आसमान जलते रहते हैं, तब भी यह हज़रत न जाने कहाँ से अपना रस खींचते रहते हैं । मौज में आठों याम मस्त रहते हैं । एक वनस्पतिशास्त्री ने मुझे बताया है कि यह उस श्रेणी का पेड़ है जो वायुमंडल से अपना रस खींचता है । ज़रूर खींचता होगा । नहीं तो भयंकर लू के समय इतने कोमल तंतुजाल और ऐसे सुकुमार केसर को कैसे उगा सकता था ? अवधूतों के मुँह से ही संसार की सबसे सरस रचनाएँ निकली हैं । कबीर बहुत कुछ इस शिरीष के समान ही थे, मस्त और बेपरवाह, पर सरस और मादक । कालिदास भी जरूर अनासक्त योगी रहे होंगे । शिरीष के फूल फक्कड़ाना मस्ती से ही उपज सकते हैं और 'मेघदूत' का काव्य उसी से अनासक्त अनाविल उन्मुक्त हृदय में उमड़ सकता है ।

(क) लेखक ने शिरीष को अवधूत क्यों कहा है ?

(ख) लेखक यह क्यों मानता है कि अनासक्त हृदय से ही मेघदूत जैसा श्रेष्ठ काव्य उपज सकता है ?

(ग) वर्तमान के संघर्षपूर्ण जीवन में शिरीष के माध्यम से लेखक क्या संकेत देना चाह रहा है ?

अथवा

भक्तिन और मेरे बीच में सेवक–स्वामी का संबंध है, यह कहना कठिन है; क्योंकि ऐसा कोई स्वामी नहीं हो सकता, जो इच्छा होने पर भी सेवक को अपनी सेवा से हटा न सके और ऐसा कोई सेवक भी नहीं सुना गया, जो स्वामी के चले जाने का आदेश पाकर अवज्ञा से हँस दे । भक्तिन को नौकर कहना उतना ही असंगत है, जितना अपने घर में बारी–बारी से आने–जाने वाले अँधेरे–उजाले और आँगन में फूलने वाले गुलाब और आम को सेवक मानना । वे जिस प्रकार एक अस्तित्व रखते हैं, जिसे सार्थकता देने के लिए हमें सुख–दुख देते हैं, उसी प्रकार भक्तिन का स्वतंत्र व्यक्तित्व अपने विकास के परिचय के लिए ही मेरे जीवन को घेरे हुए है ।

(क) लेखिका को अपने और भक्तिन के बीच सेवक–स्वामी का संबंध होने में संदेह क्यों है ?

(ख) लेखिका ने भक्तिन को नौकर कहना असंगत क्यों माना है ?

(ग) लेखिका और भक्तिन के परस्पर संबंधों की दो विशेषताएँ लिखिए ।

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) पाठ के आधार पर चार्ली चैपलिन के बचपन की उन दो घटनाओं को संक्षेप में लिखिए जिन्होंने चैपलिन पर गहरा प्रभाव डाला था । **3**

(ख) टिप्पणी कीजिए – "बाज़ार में एक जादू है ।" **3**

(ग) 'काले मेघा पानी दे' लेख के इस कथन पर अपने विचार लिखिए – "हम आज देश के लिए करते क्या हैं ? माँगें हर क्षेत्र में बढ़ी हैं, पर त्याग का कहीं नाम नहीं है ।" **3**

(घ) 'नमक' कहानी का उद्देश्य क्या है ? **1**

13. बार–बार 'सम हाउ इंप्रापर' कहना यशोधर बाबू के व्यक्तित्व के किन पहलुओं को उजागर करता है ? 'इंप्रापर' को वे अंततः स्वीकार क्यों कर लेते हैं ? **4**

अथवा

मुअनजो–दड़ो के अजायबघर में प्रदर्शित सामान की विशेषताएँ लिखिए । इनसे तत्कालीन राजतंत्र के बारे में लेखक ने क्या निष्कर्ष निकाला और वह इस निर्णय पर कैसे पहुँचा ?

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए : **4 × 2 = 8**

(क) 'सिन्धु की सभ्यता पूर्ण विकसित मानव सभ्यता थी', इस विचार से आप कहाँ तक सहमत हैं और क्यों ?

(ख) 'डायरी के पन्ने' पाठ के आधार पर महिलाओं की तत्कालीन स्थिति का उल्लेख करते हुए बताइए कि आज के समय में क्या बदलाव आ रहे हैं ?

(ग) 'जूझ' पाठ के पात्र दत्ताजी राव देसाई ने लेखक के जीवन को कैसे प्रभावित किया ? उदाहरण सहित उत्तर दीजिए ।

(घ) यशोधर बाबू ने किशन दा से किन जीवन मूल्यों को पाया था ? उनका उल्लेख करते हुए बताइए कि आपके लिए भी वे उपयोगी हो सकते हैं तो कैसे ?

+GB.NCLPVUAYX1.YNG5+GB.NCLPVUAYX1.YNG4+GB.NCLPVUAYX1.YNG3+GB.NCLPVUAYX1.YNG2+GB.NCLPVUAYX1.YNG1+GB.NCLPVUAYX1.YNG0